



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

“ASSEMBLIES AND PARLIAMENT MUST ADOPT TECHNOLOGY FOR FUNCTIONING MORE EFFECTIVELY”: LOK SABHA SPEAKER

New Delhi 21 April 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla interacted with Presiding officers of State Legislative Assemblies via video conferencing at Parliament House today.

Shri Birla informed the Presiding Officers that the four Committees of Presiding Officers that had been constituted earlier to look into matters relating to Disruptions in the House, Autonomy of Legislatures, Tenth Schedule of the Constitution and Information Technology and related matters - have made substantial progress in finalising their reports, and will submit the reports in due course.

Shri Birla also urged State Assemblies to explore the feasibility of extensive use of digital technology in legislative and financial work and for other routine tasks such as meetings and file movements so as to make sure that stringent social distancing norms are followed in their respective states. He said that, “Assemblies and Parliament must adopt technology for functioning more effectively.”

Shri Birla said that both Central and State governments have been vigilant with this pandemic and have taken necessary steps to contain its spread. He noted that mutual synergy and excellent disaster management efforts have allowed India to minimize the damage from this disease. Shri Birla added that efforts of the Government have been complimented by the strength of the people, which has helped mitigate the situation, he then thanked the people for their cooperation and spirited resistance to the disease outbreak. He said that, “The situation is largely under control and the government is fully prepared to meet any challenges.”

Speaking about India's efforts to reduce the effect of the pandemic outside the country, Shri Birla said that wherever possible India has tried to help other countries by supplying medicines and other essential equipment, thereby living up to the ancient Indian philosophy of Vasudhaiv Kutumbkam.

In his interaction with Speakers of the State Assemblies, Shri Birla was informed that many states have taken proactive measures with regard to providing relief to affected people. He was informed that many state MLAs have actively contributed to COVID 19 relief funds, both at the central as well as state level. Many states have also extended direct relief to the people through cash transfers in bank accounts of the intended beneficiaries. States have also taken steps to provide cooked food to the poor and destitute and have given rations in the form of rice, flour and oil etc.

Shri Birla was informed by a number of Presiding Officers about the plight of stranded workers in many parts of the country, he was also informed that a large number of students have been left stranded in the educational Hub of Kota, which also happens to be Shri Birla's constituency. Shri Birla assured the Presiding Officers of taking all the requisite steps to make sure that the stranded students and workers are provided with all necessary assistance.

He also called upon all the state assemblies to setup a control room for real time information exchange between the various state assemblies and Parliament, which would allow MLAs and MPs to discharge their duties in a more effective manner in order to fight the challenge posed by COVID 19.

“विधानसभाओं और संसद में अधिक प्रभावी काम-काज के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाया जाना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 2020 : लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य विधान सभाओं के पीठासीन अधिकारियों के साथ बातचीत की ।

श्री बिरला ने पीठासीन अधिकारियों को जानकारी दी कि सभा में व्यवधान, विधानमंडलों की स्वायत्तता, संविधान की दसवीं अनुसूची तथा सूचना प्रौद्योगिकी और इससे जुड़े मामलों की जांच के लिए पहले गठित की गई पीठासीन अधिकारियों की चार समितियों ने अपने रिपोर्टों को अंतिम रूप देने में काफी अच्छा काम किया है और वे समय पर अपने रिपोर्ट प्रस्तुत कर देंगी।

श्री बिरला ने राज्य विधानसभाओं से आग्रह किया कि वे विधायी और वित्तीय कार्यों के साथ साथ बैठकों और फ़ाइल चलाने जैसे रूटीन कामों में डिजिटल प्रौद्योगिकी का व्यापक रूप से उपयोग किए जाने की संभावना पर विचार करें ताकि उनके राज्यों में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का कड़ाई से पालन हो सके । उन्होंने कहा कि “विधानसभाओं और संसद में अधिक प्रभावी काम-काज के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाया जाना चाहिए ।“

श्री बिरला ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें इस महामारी के चलते बहुत मुस्तैदी से कार्य कर रही हैं और इसे फैलने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठा रही हैं । उन्होंने कहा कि मिलजुल कर काम करने और आपदा प्रबंधन के बेहतरीन प्रयासों से भारत में इस रोग से होने वाले नुकसान को कम करने में बहुत मदद मिली है । श्री बिरला ने यह भी कहा कि सरकार के प्रयासों के साथ जनता की ताकत भी जुड़ी हुई है जिससे परिस्थितियों को संभालने में बहुत मदद मिली है । उन्होंने जनता के सहयोग और इस स्थिति का मुकाबला पूरे जोश से करने के लिए सभी लोगों को धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि “ कुलमिलाकर स्थिति नियंत्रण में है और सरकार सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है । “

देश से बाहर इस महामारी के प्रभाव को कम करने के भारत के प्रयासों के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम के प्राचीन भारतीय दर्शन के अनुरूप भारत ने जहां भी संभव हुआ, दवाइयाँ और दूसरे जरूरी सामान की सप्लाई करके दूसरे देशों की मदद करने की कोशिश की है।

राज्य विधान सभाओं के अध्यक्षों के साथ बातचीत के दौरान, श्री बिरला को बताया गया कि अनेक राज्यों ने प्रभावित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कई कदम उठाए हैं। उन्हें यह जानकारी भी दी गई कि अनेक राज्यों के विधायकों ने केंद्र और राज्य स्तर पर कोविड 19 राहत कोष में बढ़चढ़ कर योगदान किया है। अनेक राज्यों ने लाभप्राप्तकर्ताओं के बैंक खातों में धनराशि अंतरित करके लोगों को प्रत्यक्ष रूप से राहत पहुंचाई है। राज्यों ने गरीबों और बेघर लोगों को पका हुआ खाना उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए हैं और उन्हें चावल, आटा और तेल आदि जैसा राशन का सामान भी दिया है।

कई पीठासीन अधिकारियों ने श्री बिरला को देश के अनेक भागों में फंसे हुए कामगारों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्हें यह भी बताया गया कि कोटा के शैक्षिक केंद्र में बड़ी संख्या में छात्र फंसे हुए हैं जो श्री बिरला का निर्वाचनक्षेत्र भी है। श्री बिरला ने पीठासीन अधिकारियों को आश्वासन दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे कि फंसे हुए छात्रों और कामगारों को सभी आवश्यक सहायता दी जाए।

उन्होंने सभी राज्य विधान सभाओं से अनुरोध किया कि वे विभिन्न राज्य विधानसभाओं और संसद के बीच जानकारी के रियल टाइम आदान प्रदान के लिए एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना करें जिससे विधायकों और सांसदों को कोविड 19 से उत्पन्न स्थिति का मुकाबला करने के लिए अपने कर्तव्य अधिक प्रभावी ढंग से निभाने में मदद मिलेगी।